# DEPARTMENT OF HINDI

# HONOURS

**Syllabus Distribution and Teaching Plan, Even Semester,Session: 2022-2023**

**Term I**: Commencement of classes to 1st internal; **Term II**: 1st internal to 2nd internal; **Term III:** 2nd internal to ESE preparatory break

**Semester II**

| Name | SyllabusAllotted | Teaching Plan |
|---|---|---|
| • डा0 पंकज साहा | पत्र–CC-III – भरतेन्दु यंगीन कविता से छायावादी कविता तक रचनाएँ व इतिहास<br>• द्ववैदी युग : जागरण – सुधार काल<br>• अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध : प्रार्थना<br>• जयशंकर प्रसाद : हिमाद्रल तुंग श्रृंग स, पेशोला की प्रतिध्वनि<br><br>पत्र–CC-IV – हिन्दी साहित्य–प्रगतिवाद से बीसवीं शताब्दी तक– रचनाएँ व इतिहास<br>• छायावादोत्तर काव्य परिदृष्य और छायावादोत्तर कविता की भूमिका<br>• समकालीन कविता के प्रमुख कवि और रचनाएँ<br><br>GE-II लोकनाट्य परंपरा और हिन्दी<br>• भारतीय संस्कृति :अवधारणा–<br>• लोक का अर्थ, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति – | **Term1 (10 Lectures):**<br>द्विवेदी युगीन कविता की प्रमुख प्रवृतियाँ, विभिन्न काव्य रूपों का प्रयोग, छंद एवं भाषा सौष्ठव आदि।<br>**TermII (04 Lectures):**<br>प्रार्थना (कविता)<br>**TermIII (03 Lectures):**<br>हिमाद्रल तुंग श्रृंग से, पेशोला की प्रतिध्वनि (कविता)<br>**Term1 (04 Lectures):**<br>छायावादोत्तर काव्य धारा : पमुख प्रवृतियाँ,<br>**Term11 (10 Lectures):**<br>प्रयोगवादी काव्य धारा : पमुख प्रवृतियाँ, नयी कविता : ऐतिहासिक परिदृष्य,काव्य प्रवृतियाँ और प्रमुख कवि –<br>**Term III (04 Lectures):**<br>अज्ञेय – नदी के द्वीप, कलगी बाजरे की। –(कविता)<br>**Total=(22 Lectures):**<br>**Term1 (06 Lectures):**<br>भारतीय संस्कृति :अवधारणा–<br>**Term1I (06 Lectures):**<br>लोक का अर्थ, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति |

| | | |
|---|---|---|
| डा0 संजय पासवान | पत्र–CC-III भारतेन्दु युग (नवजागरण) – डा0 संजय पासवान<br>• भारतेन्दु : नीज भाषा उन्निति अहै।<br>• मैथिली श्सरण गुप्त : कैकेयी का अनुताप<br>• सुमित्रा नंदन पंत : नौका बिहार,<br>पत्र–CC-IV – प्रगतिवादी काव्य धारा : पमुख प्रवृतियाँ –<br>• केदारनाथ अग्रवाल :<br>**GE-II -** हिन्दी क्षेत्र के लोक नाट्य रुप<br>(क) धार्मिक लोक नाट्य : रामलीला, रासलीला<br>(ख) सामाजिक लोक नाट्य : नौटंकी, भांड माच, नाच्या, ख्याल, स्वांग आदि | **Term1 (14 Lectures):**<br>भारतेन्द् पूर्व काव्य घारा, सांस्कृतिक, आर्थक और राजनीतिक परिवेश, राष्ट्रीय चेतना, समस्यापूर्ति, हास्य आदि।<br>**Term II (02 Lectures)**<br>. नीज भाषा उन्निति अहै। (कविता)<br>**TermIII (08 Lectures):**<br>नौका बिहार, ताज। (कविता)<br>प्रर्गातवादी काव्य धारा : पमुख प्रवृतियाँ<br>बसंती हवा अग्रवाल (कविता)<br>. **Term 1 (04 Lectures):**<br>रामलीला, रासलीला<br>**Term II (03 Lectures)**<br>नौटंकी, भांड माच, नाच्या,<br>**TermIII (08 Lectures):**<br>ख्याल, स्वांग आदि |
| • डा0 प्रकाश कुमार अग्रवाल | पत्र–CC-III छायावादी युग–<br>• मखन लाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा – डा0 प्रकाश कुमार अग्रवाल<br>• राष्ट्रीय सांसकृतिक काव्यधारा की रचनाएँ<br>• सुर्यकांत त्रिपाठल निराला : महादेवी वर्मा<br>• नागार्जुन :<br>पत्र–CC-IV – धूमिल :<br>**GE-II -** लोक नाट्य, लोक रंगमंच एवं अभिजात्य या भाषायी रंगमंच का स्वरुप<br>भारतीय राष्ट्रीय संस्कृति के निर्माण में लोकनाट्यों की भूमिका | **Term1 (10 Lectures):**<br>*छायावाद, नामकरण का आधार और परिवेश एवं प्रवृतियाँ प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता।*<br>**Term II (08 Lectures)**<br>तोड़ती पत्थर, भिक्षुक (कविता)<br>मैं नीर भरी दुख की बदली, धीरे धीरे उतर क्षितिज से(कविता)<br>अकाल और उसके बाद, शासन की बंदुक (कविता)<br>**TermIII (04 Lectures):**<br>बीस साल, रोटी और संसद।(कविता)<br>. **Term 1 (06 Lectures):**<br>लोक नाट्य, लोक रंगमंच एवं अभिजात्य या भाषायी रंगमंच का स्वरुप।<br>**Term II (06 Lectures)**<br>भारतीय राष्ट्रीय संस्कृति के निर्माण में लोकनाट्यों की भूमिका |

**Semester IV**

| Name | SyllabusAllotted | Teaching Plan |
|---|---|---|
| डा0 पंकज साहा | ❖ पत्र–CC-8T : हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास – डा0 पंकज साहा (संपूर्ण)<br>• हिन्दी कथा साहित्य का विकास : भारतेन्दु से अद्यतन।<br>• हिन्दी नाट्य साहित्य का विकास : भारतेन्दु से अद्यतन।<br>• हिन्दी निबंध साहित्य का विकास : भारतेन्दु से अद्यतन।<br>• हिन्दी की कथेतर विधाओं का विकास : जीवनी, संस्मरण, यात्रा वृतांत। | **Term 1 (10 Lectures):**<br>हिन्दी कथा साहित्य का विकास : भारतेन्दु से अद्यतन।<br>हिन्दी नाट्य साहित्य का विकास : भारतेन्दु से अद्यतन।<br>**Term II (04 Lectures)**<br>हिन्दी निबंध साहित्य का विकास : भारतेन्दु से अद्यतन।<br>**Term III (04 Lectures)**<br>हिन्दी की कथेतर विधाओं का विकास : जीवनी, संस्मरण, यात्रा वृतांत।<br>**Total=(18 Lectures)** |
| डा0 संजय पासवान | पत्र–CC-9T : हिन्दी आलोचना – डा0 संजय पासवान (संपूर्ण)<br>• हिन्दी आलोचना की पृष्ठभूमि, परम्पार और विकास<br>• भारतेन्दुयंगीन आलोचना, द्विवेदीयुगीन आलोचना, शुक्लयुगीन आलोचना<br>• हिन्दी के प्रमुख आलोचक और उनकी आलोचना दृष्टि<br>➢ आचार्य रामचंद्र शुक्ल<br>➢ डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी<br>➢ डॉ0 नन्ददुलारे वाजपेयी<br>➢ डॉ0 नगेन्द्र<br>➢ डॉ0 रामविलास शर्मा<br>➢ डॉ0 नामवर सिंह<br><br>पत्र–SEC-1IT : कार्यालयी हिन्दी<br>कार्यालयी पत्राचार के विविध रुप<br>कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शाब्दावली | **Term I (18 Lectures):**<br>हिन्दी आलोचना की पृष्ठभूमि, परम्पार और विकास<br>भारतेन्दुयंगीन आलोचना, द्विवेदीयुगीन आलोचना, शुक्लयुगीन आलोचना<br>**Term II(10 Lectures):**<br>आचार्य रामचंद्र शुक्ल<br>डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी<br>डॉ0 नन्ददुलारे वाजपेयी<br>**Term III (10 Lectures):**<br>डॉ0 नगेन्द्र<br>डॉ0 रामविलास शर्मा<br>डॉ0 नामवर सिंह<br>. **Term I (06 Lectures):**<br>कार्यालयी पत्राचार के विविध रुप।<br>**Term II (06 Lectures):**<br>कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शाब्दावली |

| | | |
|---|---|---|
| डा0 प्रकाश कुमार अग्रवाल | पत्र–CC-9T : हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान – (संपूर्ण)<br>• भाषा : परिभाषा, स्वरुप और प्रवृतियाँ<br>• भाषा और बोलीयाँ<br>• हिन्दी का मानकीकरण<br>• ध्वनि : परिभाषा और हिन्दी स्वर और व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण<br>• वाक्य : परिभाषा वाक्य के अनिवार्य तत्व और संरचना के आधार पर वर्गीकरण<br>• अर्थ : परिभाषा, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ<br>• देवनागरी लिपि का इतिहास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता<br><br>पत्र–SEC-1IT : कार्यालयी हिन्दी<br>कार्यालयी हिन्दी<br>• कार्यालयी हिन्दी का क्षेत्र<br>• कार्यालयी हिन्दी की समस्याएँ | **Term I (14 Lectures):**<br>भाषा : परिभाषा, स्वरुप और प्रवृतिया, भाषा और बोलीयाँ, हिन्दी का मानकीकरण।<br>**Term II(12 Lectures):**<br>ध्वनि : परिभाषा और हिन्दी स्वर और व्यंजन ध्वनियों का वगीकरण<br>वाक्य : परिभाषा वाक्य के अनिवार्य तत्व और संरचना के आधार पर वर्गीकरण<br>**Term III (10 Lectures):**<br>अर्थ : परिभाषा, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ<br>देवनागरी लिपि का इतिहास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता<br><br>**Term I (06 Lectures):**<br>कार्यालयी हिन्दी, कार्यालयी हिन्दी का क्षेत्र<br>**Term II (04 Lectures):**<br>कार्यालयी हिन्दी की समस्याएँ |

**Semester VI**

| Name | SyllabusAllotted | Teaching Plan |
|---|---|---|
| डा0 पंकज साहा | पत्र– CC-14T : *प्रयोजनमूलक हिन्दी*<br>• *मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिन्दी, संपर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, बोलचाल की सामान्य हिन्दी, मानक हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी, संबिधान में हिन्दी।*<br>• *हिन्दी की शैलियाँ : हिन्दी उर्दू और हिन्दुसतानी।*<br>• *हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास।*<br>• *हिन्दी का मानकीकरण।*<br>• *हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र : भाषा प्रयुक्ति की संकल्ना, वार्ता – प्रकार और शैली।*<br>• *प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार : कार्यालयी हिन्दी और उसके* | **Term I (16 Lectures):**<br>*मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिन्दी, संपर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, बोलचाल की सामान्य हिन्दी, मानक हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी, संबिधान में हिन्दी।*<br>*हिन्दी की शैलियाँ : हिन्दी उर्दू और हिन्दुसतानी।*<br>*हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास।*<br>**Term II (16 Lectures)**<br>*हिन्दी का मानकीकरण।*<br>*हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र : भाषा प्रयुक्ति की संकल्ना, वार्ता – प्रकार और शैली।*<br>*प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार : कार्यालयी हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, व्यवसायिक हिन्दी और उसके* |

| | | |
|---|---|---|
| | *प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, व्यवसायिक हिन्दी और उसके लक्षण, संचार माध्यम(आकाशवाणी, दुरदर्शन, चलचित्र) की हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण।*<br>• *भाषा व्यवहार : सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा लेखन, सरकारी अथवा व्यवसायिक पत्र–लेखन।*<br>• *हिन्दी में पारिभाषिक शव्द निर्माण प्रकिया एवं प्रस्तुति।* | *लक्षण, संचार माध्यम(आकाशवाणी, दुरदर्शन, चलचित्र) की हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण।*<br>**Term III (10 Lectures)**<br>*भाषा व्यवहार : सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा लेखन, सरकारी अथवा व्यवसायिक पत्र–लेखन।*<br>*हिन्दी में पारिभाषिक शव्द निर्माण प्रकिया एवं प्रस्तुति।* |
| डा0 संजय पासवान | CT13 - *हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता*<br>• *साहित्यिक पत्रिकारिता : अर्थ अवधारणा और महत्व।*<br>• *भारतेन्दुयुगीन साहित्यिक पत्रिकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।*<br>• *द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रिकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।*<br>• *प्रेमचंद और छायावादी साहित्यिक पत्रिकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।*<br>• *स्त्रयोत्तर साहित्यिक पत्रिकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।*<br>DSE -3T – *लोक साहित्य*<br>➢ *लोक और लोक वार्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोक वार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अंतःसंबंध, लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।*<br>➢ *भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण। लोक गीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत।*<br>➢ *लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड, तमाशा, नौटंकी। हिन्दी लोकनाट्य की परंपरा एव प्रविधि। हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर लोकनाट्य का प्रभाव।*<br>➢ *लोककथा : व्रतकथा, परीकथा, नाग–कथा, कथारूढ़ियाँ और अंधविश्वास।*<br>➢ *लोकभाषा : लोक संभावित मुहावरे, कहावतें, लाकोक्तियाँ, पहेलियाँ।*<br>➢ *लोकनृत्य एवं लोकसंगित।* | **Term I (12 Lectures):**<br>*पत्रिकारिता : अर्थ अवधारणा और महत्व।*<br>*भारतेन्दुयुगीन साहित्यिक पत्रिकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।*<br>*द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रिकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।*<br>.<br>**Term II: (08 Lectures):**<br>*प्रेमचंद और छायावादी साहित्यिक पत्रिकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।*<br>**Term III: (06 Lectures):**<br>*स्वात्र्योत्तर साहित्यिक पत्रिकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।*<br>**Total=(26 Lectures)**<br>**Term I (12 Lectures):**<br>*भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपो का वर्गीकरण। लोक गीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत।*<br>**Term II: (12 Lectures):**<br>*भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपो का वर्गीकरण। लोक गीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत।*<br>**Term III: (10 Lectures):**<br>*लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड, तमाशा, नौटंकी। हिन्दी लोकनाट्य की परंपरा एवं प्रविधि। हिन्दी नाटक एव रंगमंच पर लोकनाट्य का प्रभाव।* |

| | | |
|---|---|---|
| | DSE 4T-*असिमतामूलक विमर्श और हिन्दी साहित्य*<br>*विमर्शों की सैद्धांतिकी :*<br>• *दलित विमर्श : अवधारणा और आन्दोलन, फुले और अंबेडकर।*<br>• *स्त्री विमर्श : अवधारणा और मुक्ति आन्दोलन(पाश्चात्य और भारतीय संदर्भ)*<br>• *आदिवासी वमर्श : अवधारणा और आन्दोलन,* | **Term I (10 Lectures):**<br>*दलित विमर्श : अवधारणा और आन्दोलन, फुले और अंबेडकर।*<br>**Term II: (10 Lectures):**<br>*स्त्री विमर्श : अवधारणा और मुक्ति आन्दोलन(पाश्चात्य और भारतीय संदर्भ)*<br>**Term III: (08 Lectures):**<br>*आदिवासी वमर्श : अवधारणा और आन्दोलन* |
| डा0 प्रकाश कुमार अग्रवाल | CT13 - *हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता*<br>• *समकालीन साहित्यिक पत्रिकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।*<br>• *साहित्यिक पत्रिकारिता में अनुवाद की भूमिका।*<br>• *महत्वपूर्ण पत्र–पत्रिकाएँ : बनारस अखबार, भारत मित्र, हिन्दी प्रदीप, हिंदोस्थान, आज, स्वदेश, प्रताप, कर्मवीर, विशाल भारत तथा जनसत्ता।*<br><br>CT13 - *हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता*<br>• *लोक और लोक वार्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोक वार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अंतःसंबंध, लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।*<br>• *लोककथा : व्रतकथा, परीकथा, नाग–कथा, कथारूढ़ियाँ और अंधविश्वास।*<br>• *लोकभाषा : लोक संभावित मुहावरे, कहावतें, लाकोक्तियाँ, पहेलियाँ।*<br>• *लोकनृत्य एवं लोकसंगित।*<br><br>DSE 4T-*असिमतामूलक विमर्श और हिन्दी साहित्य*<br><br>➢ *विमर्शमूलक कथा साहित्य :*<br><br>*क) ओमप्रकाश वाल्मीकि – सलाम*<br>*ख) जयप्रकाश कर्दम – नौ बार*<br>*ग) हरिराम मीणा – धूणी तपे तीर, पृष्ठ* | **Term I (04 Lectures):**<br>*समकालीन साहित्यिक पत्रिकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।*<br>**Term II (08 Lectures):**<br>*महत्वपूर्ण पत्र–पत्रिकाएँ : बनारस अखबार, भारत मित्र, हिन्दी प्रदीप, हिंदोस्थान, आज, स्वदेश, प्रताप, कर्मवीर, विशाल भारत तथा जनसत्ता।*<br>**Term III(06 Lectures):**<br>*साहित्यिक पत्रिकारिता में अनुवाद की भूमिका।*<br><br>**Term I (10 Lectures):**<br>*लोक और लोक वार्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोक वार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अंतःसंबंध, लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।*<br><br>**Term II (08 Lectures):**<br>*महत्वपूर्ण पत्र–पत्रिकाएँ : बनारस अखबार, भारत मित्र, हिन्दी प्रदीप, हिंदोस्थान, आज, स्वदेश, प्रताप, कर्मवीर, विशाल भारत तथा जनसत्ता।*<br>**Term III(04 Lectures):**<br>*साहित्यिक पत्रिकारिता में अनुवाद की भूमिका।*<br>**Term I (10 Lectures):**<br>*कथा साहित्य : सलाम, नौ बार, धूणी तपे तीर, पृष्ठ*<br>➢ *विमर्शमूलक कविता : दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे, कितनी व्यथा, दलित विमर्श, सोनवा का पिंजरा*<br><br>**Term II (18 Lectures):**<br>*कथा साहित्य : मुक्तिपर्व , व्यक्तित्व की भूख, खुदा की वापसी*<br>*दलित कविता :– दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे, कितनी व्यथा,* |

| | | |
|---|---|---|
| | 158–167<br>घ) मोहनदास नैमिशराय – मुक्तिपर्व (उपन्यास)का अंश (पृष्ठ 24–33)<br>ङ) सुमित्रा कुमारी सिन्हा – व्यक्तित्व की भूख<br>च) नासिरा शर्मा – खुदा की वापसी<br>➢ विमर्शमूलक कविता :<br><br>क) दलित कविता :<br>1) अछुतानंद – दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे<br>2) नगीना सिंह – कितनी व्यथा<br>3) कालीचरण सनेही – दलित विमर्श<br>4) माता प्रसाद – सोनवा का पिंजरा<br>ख) स्त्री कविता :<br>1) कीर्ति चौधरी – सीमा रेखा<br>2) कात्यायनी – सात भाइयों के बीच चम्पा<br>3) सविता सिंह – मैं किसकी औरत हूँ<br>➢ विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँ<br><br>1) प्रभा खेतान – अन्या से अनन्या (पृष्ठ : 28–42)<br>2) तुलसीराम –मुर्दहिया (चाचा चौधरी से प्रारंभ, पृष्ठः 125–135)<br>3) महादेवी वर्मा –स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न<br>4) डॉ. धर्मवीर – अभिशप्त चिंतन से इतिहास चिंतन की ओर | विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँ – अन्या से अनन्या (पृष्ठ : 28–42), मुर्दहिया (चाचा चौधरी से प्रारंभ, पृष्ठः 125–135, स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न, अभिशप्त चिंतन से इतिहास चिंतन की ओर<br><br>**Term III(04 Lectures):**<br>मैं किसकी औरत हूँ, सोनवा का पिंजरा। |

**DEPARTMENT OF HINDI**

**B.A GENERAL**

**Syllabus Distribution and Teaching Plan, Even Semester,Session: 2022-2023**

**Term I**: Commencement of classes to 1st internal; **Term II**: 1st internal to 2nd internal; **Term III:** 2nd internal to ESE preparatory break

**Semester II**

| Name | SyllabusAllotted | Teaching Plan |
|---|---|---|
| • राकेश कुमार चौबे | पत्र–DSC-1BT – मध्यकालीन हिन्दी कविता<br>• कबीर<br>• सूरदास<br>• तुलसीदास<br>• बिहारी लाल<br>• धनानंद<br>• भूषण<br>• रसखान<br><br>पत्र–AECC-2 (MIL-1) – हिन्दी व्याकरण और संप्रेशण<br>*हिन्दी व्याकरण एवं रचना – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, किया एवं अव्यय का परिचय। उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, मुहाबरे और लोकोक्तियाँ, पल्लवन एवं संक्षेपण।*<br>*o संप्रेषण की अवधारण और महत्व*<br>*o संप्रेषण के प्रकार*<br>*o संप्रेषण के माध्यम*<br>*o संप्रेषण की तकनीक*<br>*o अध्ययन, वाचन एवं चर्चा : प्रकिया और बोध*<br>*o साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन।* | **Term 1 (10 Lectures):**<br>• कबीर के पद, साखी, सूरदास के पद, तुलसीदास के पद<br>**TermII (08 Lectures):**<br>• बिहारी लाल के पद, धनानंद के पद के पद<br>**TermIII (08 Lectures):**<br>भूषण के पद, रसखान के पद<br>**Term 1 (10 Lectures):**<br>*हिन्दी व्याकरण एवं रचना – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, किया एवं अव्यय का परिचय। उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, मुहाबरे और लोकोक्तियाँ, पल्लवन एवं संक्षेपण।*<br>*o संप्रेषण की अवधारण और महत्व*<br>**Term II (08 Lectures):**<br>*संप्रेषण के प्रकार*<br>*o संप्रेषण के माध्यम*<br>*o संप्रेषण की तकनीक*<br>*o अध्ययन, वाचन एवं चर्चा : प्रकिया और बोध*<br>*o साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन।* |

**Semester IV**

| Name | SyllabusAllotted | Teaching Plan |
|---|---|---|
| राकेश कुमार चौबे | पत्र–DSC-1DT – हिन्दी गद्य साहित्य<br>उपन्यास :<br>• त्यागपत्र – जैनेन्द्र<br>कहानी :<br>• नमक का दारोगा – प्रेमचंद<br>• आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद<br>• परदा –यशपाल<br>पत्र–AECC-4 CORE (MIL-2) – हिन्दी भाषा और संप्रेशण<br>भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप<br>हिन्दी भाषा की विशेषताएँ : किया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय।<br>हिन्दी की वर्ण व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन।<br>स्वर के प्रकार – ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।<br>व्यंजन के प्रकार – स्पर्श, अंतस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघेष।<br>वर्णों का उच्चारण स्थान : कण्ठय, तालव्य, मूघन्य, दन्तय, ओष्ठ्य तथा दंतोष्ठय् बलाघात, संगम, अनुतान तथा संधि।<br>संप्रेषण के चरण : ज्ञवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन।<br>हिन्दी वाक्य रचना, वाक्य उपवाक्य। वाक्य भेद। वाक्य रूपांतर<br>भावार्थ और व्याख्या, आशय, लेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन।<br>पत्र–SEC-2T – अनुवाद विज्ञान<br>अनुवाद का तात्पर्य, अनुवाद के विभिन्न प्रकार– कार्यालयी, साहित्यिक, ज्ञान–विज्ञान परक,विधिक, वाणिज्यिक।<br>अनुवाद केशिल्पगत भेद अविकल अनुवाद(लिटरल), भावानुवाद/छायानुवाद,आशुनुवाद, डबिंग कंप्यूटर अनुवाद।<br>साहित्यिक अनुवाद के प्रमुख रूप – काव्यानुवाद, कळानुवाद, नाट्यानुवाद<br>अनुवाद की अर्हता<br>हिन्दी अनुवाद का भविष्य। | **Term 1 ( 08 Lectures):**<br>त्यागपत्र , नमक का दारोगा<br>**TermII ( 04 Lectures):**<br>आकाशदीप, परदा<br>**TermIII ( 06Lectures):**<br>भूषण के पद, रसखान के पद<br>**Term 1 (08 Lectures):**<br>भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप<br>हिन्दी भाषा की विशेषताएँ : किया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय।<br>हिन्दी की वर्ण व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन।<br>स्वर के प्रकार – ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।<br>व्यंजन के प्रकार – स्पर्श, अंतस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघेष।<br>**Term II ( 08Lectures):**<br>र्णों का उच्चारण स्थान : कण्ठय, तालव्य, मूर्घन्य, दन्तय, ओष्ठ्य तथा दंतोष्ठय् बलाघात, संगम, अनुतान तथा संधि।<br>संप्रेषण के चरण : ज्ञवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन।<br>हिन्दी वाक्य रचना, वाक्य उपवाक्य। वाक्य भेद। वाक्य रूपांतर।<br>**Term II 0606( Lectures):**<br>भावार्थ और व्याख्या, आशय, लेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन।<br>**Term II ( Lectures):**<br>अनुवाद का तात्पर्य, अनुवाद के विभिन्न प्रकार– कार्यालयी, साहित्यिक, ज्ञान–विज्ञान परक,विधिक, वाणिज्यिक।<br>**Term II ( Lectures):**<br>**Term III ( Lectures):**<br>टनुवाद के शिल्पगत भेद अविकल अनुवाद (लिटरल) ,भावानुवाद/छायानुवाद,आशुनुवाद, डबिंग कंप्यूटर अनुवाद। साहित्यिक अनुवाद के प्रमुख रूप – काव्यानुवाद, कव्यानुवाद, नाट्यानुवाद अनुवाद की अर्हता<br>हिन्दी अनुवाद का भविष्य। |

**Semester VI**

| Name | SyllabusAllotted | Teaching Plan |
|---|---|---|
| राकेश कुमार चौबे | पत्र–DSE-1BT –सूर्यकांत त्रिपाठी निराला<br>*कविताएँ*<br>*1) सखि, बसंत आ गया*<br>*2) जुही की कली*<br>*3) जागो फिर एक बार : 2*<br>*4) बादल राग 6*<br>*5) वर दे वीणा वाणी वर दे*<br>*6) भारति, जय विजय करो*<br>*7) तोड़ती पत्थर*<br>*8) बाहर मैं कर दिया गया हूँ*<br>*9) सनेह निर्झर बह गया*<br>*10) गहन है यह अंधकारा*<br>SEC – 4–*चलचित्र लेखन*<br>*भारतीय सिनेमा का इतिहास।*<br>*हिन्दी की आरंभिक मूक और सवाक् फिल्में।*<br>*विगत शताब्दी की लोकप्रिय हिन्दी फिल्में, लोकप्रिय फिल्मी गीत तथा प्रसिद्ध संवाद*<br>*प्रमुख निर्देशक एवं अभिनेता।*<br>*हालीवुड फिल्मों की हिन्दी डबिंग।*<br>*बॉलिवुड का हिन्दी फिल्मी उद्योग।*<br>*फिल्म निर्माण की प्रकिया।*<br>*हिन्दी पटकथा लेखन(सिनेरियो) का कमिक विकास या प्रविधि।*<br>*रीमेक फिल्मों का भाषिक पक्ष, समकालीन हिन्दी फिल्मों की भाषिक संरचना।*<br>*वृत्त चित्र की निर्माण पद्धति, फीचर।*<br>*हिन्दी में निर्मित विज्ञापन फिलमें(एड–फिल्में)।*<br>*फिल्मी अभिनेताओं द्वारा उच्चरित संवादों का हिन्दी की विश्व व्यापित में फिल्मों की भूमिका।*<br>*हिन्दी की प्रमुख फिल्मों के आधार पर भाषिक संरचना का व्यवहारिक प्रशिक्षण–(निर्मितियाँ) तथा शोले।* | **Term 1 (10 Lectures):**<br>*सखि, बसंत आ गया, जुही की कली, जागो फिर एक बार : 2, बादल राग 6*<br>**TermII ( 1018Lectures):**<br>*वर दे वीणा वाणी वर दे, भारति, जय विजय करो, तोड़ती पत्थर*<br>**TermIII ( Lectures):**<br>*बाहर मैं कर दिया गया हूँ, सनेह निर्झर बह गया, गहन है यह अंधकारा*<br>**Term I (08 Lectures):**<br>*भारतीय सिनेमा का इतिहास। हिन्दी की आरंभिक मूक और सवाक् फिल्में। विगत शताब्दी की लोकप्रिय हिन्दी फिल्में, लोकप्रिय फिल्मी गीत तथा प्रसिद्ध संवाद। प्रमुख निर्देशक एवं अभिनेता। हालीवुड फिल्मों की हिन्दी डबिंग। बॉलिवुड का हिन्दी फिल्मी उद्योग।फिल्म निर्माण की प्रकिया।*<br>**Term II ( 08Lectures):**<br>*हिन्दी पटकथा लेखन(सिनेरियो) का कमिक विकास या प्रविधि। रीमेक फिल्मों का भाषिक पक्ष, समकालीन हिन्दी फिल्मों की भाषिक संरचना।*<br>*वृत्त चित्र की निर्माण पद्धति, फीचर। हिन्दी में निर्मित विज्ञापन फिलमें(एड–फिल्में)।*<br>**Term III (08 Lectures):**<br>*फिल्मी अभिनेताओं द्वारा उच्चरित संवादों का हिन्दी की विश्व व्यापित में फिल्मों की भूमिका। हिन्दी की प्रमुख फिल्मों के आधार पर भाषिक संरचना का व्यवहारिक प्रशिक्षण–(निर्मितियाँ) तथा शोले।* |